



**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय  
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



## मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-07-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-07-24 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

| मौसम कारक                      | 2026-07-25                           | 2026-07-26                           | 2026-07-27               | 2026-07-28                           | 2026-07-29                                |
|--------------------------------|--------------------------------------|--------------------------------------|--------------------------|--------------------------------------|-------------------------------------------|
| वर्षा (मिमी)                   | 8.0                                  | 10.0                                 | 8.0                      | 30.0                                 | 100.0                                     |
| अधिकतम तापमान(से.)             | 21.0                                 | 19.0                                 | 20.0                     | 21.0                                 | 22.0                                      |
| न्यूनतम तापमान(से.)            | 15.0                                 | 15.0                                 | 16.0                     | 15.0                                 | 14.0                                      |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)  | 90                                   | 90                                   | 89                       | 94                                   | 98                                        |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 62                                   | 64                                   | 60                       | 66                                   | 85                                        |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा)   | 5                                    | 4                                    | 2                        | 3                                    | 2                                         |
| पवन दिशा (डिग्री)              | 160                                  | 130                                  | 140                      | 150                                  | 145                                       |
| क्लाउड कवर (ओक्टा)             | 6                                    | 7                                    | 6                        | 7                                    | 8                                         |
| चेतावनी                        | भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफान आदि | भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफान आदि | आंधी और बिजली, तूफान आदि | भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफान आदि | बहुत भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफान आदि |

### पूर्वानुमान सारांश:

मेघदूत ऐप से मिली जानकारी के अनुसार, पिछले हफ्ते (17-21 जुलाई) इस इलाके में 54 मिमी बारिश हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 18.4 से 26.6 और 15.3 से 22.3 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। आने वाले हफ्ते में हल्की से लेकर बहुत भारी बारिश (8 से 100 मिमी) होने की उम्मीद है। अधिकतम-न्यूनतम तापमान के क्रमशः 19-21 और 14-16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा के दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पूर्व-दक्षिण दिशा से 2-5 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने का अनुमान है। 24 से 27 जुलाई के लिए तेज़ हवाओं, बिजली कड़कने और तूफान के साथ भारी बारिश की 'येलो वॉर्निंग' जारी की गई है, जबकि 28 जुलाई के लिए इसी तरह के हालात के साथ बहुत भारी बारिश की 'ऑरेंज वॉर्निंग' जारी की गई है।

### मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारी बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज़ हवाओं आदि के संबंध में पीली चेतावनी।

### मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

खेत में पानी जमा होना, पौधों और अंकुरण को नुकसान पहुँचना, और केमिकल के इस्तेमाल में रुकावट आना जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम होना चाहिए और धान की रोपाई वाली

फ़सल में खाली जगहों पर नए पौधे लगाने चाहिए। केमिकल का इस्तेमाल कुछ समय के लिए टाल देना चाहिए और पशुओं को छाया में रखना चाहिए। तोड़ी गई फ़सल को ढकी हुई जगह पर रखना चाहिए।

### सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश की चेतावनी और फसल से जुड़ी सलाह पाने के लिए "मौसम" और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का पूर्वानुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स के लिए) और एप्प स्टोर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के पूर्वानुमान के अनुसार, 24.07.2026 से 30.07.2026 के दौरान बारिश कम होने और अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है।

### लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, खेती से जुड़े काम जैसे कि केमिकल का इस्तेमाल टाल देना चाहिए और खेतों में पानी की निकासी के लिए सही रास्ते बनाए रखने चाहिए। तोड़ी हुई फसल को छाया में रखना चाहिए।

### फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल                | फ़सल विशिष्ट सलाह                                                                                                                                                                  |
|---------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| चावल                | ज़्यादा बारिश होने पर अतिरिक्त पानी की निकासी का उचित इंतज़ाम करें। अगर पौधे खराब हो गए हों, तो उनकी जगह नए पौधे लगाएँ। यूरिया और खरपतवार नाशक का इस्तेमाल कुछ समय के लिए टाल दें। |
| मक्का               | पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और किसी भी तरह की खाद डालने का काम टाल देना चाहिए।                                                                                      |
| रागी                | फसल में निराई-गुड़ाई का काम टाल देना चाहिए।                                                                                                                                        |
| अरहर (लाल चना/अरहर) | खरपतवार हटाने और निराई-गुड़ाई का काम बारिश के बाद के लिए टाल देना चाहिए और उसके लिए बाद का समय तय करना चाहिए।                                                                      |
| सोयाबीन             | पहले से बोई गई सोयाबीन की फसल में पानी की निकासी का उचित प्रबंध होना चाहिए और यदि बुआई का कुछ काम बाकी है, तो उसे कुछ समय के लिए टाल देना चाहिए।                                   |
| मूँग                | बुवाई का काम टाल देना चाहिए और अगर बुवाई हो चुकी है, तो खेत में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम होना चाहिए।                                                                          |

### बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी     | बागवानी विशिष्ट सलाह                                                                                                                                                                                                                                                          |
|-------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| टमाटर       | टमाटर की तैयार फसल की तुड़ाई करके उसे बिक्री के लिए भेजा जाना चाहिए। खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।                                                                                                                                                      |
| शिमला मिर्च | पकी हुई शिमला मिर्च की फसल की तुड़ाई करके उसे बिक्री के लिए भेजा जाना चाहिए। खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।                                                                                                                                              |
| बैंगन       | बैंगन की तैयार फसल की तुड़ाई करके उसे बिक्री के लिए भेज देना चाहिए। खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।                                                                                                                                                       |
| गोभी        | भारी बारिश की संभावना को देखते हुए खेत में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम होना चाहिए। पहाड़ी इलाकों के बीच वाले हिस्सों में पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकली और नोल-खोल की कम समय में तैयार होने वाली किस्मों की खेती की जा सकती है, लेकिन ऐसा तभी करें जब खेत में पर्याप्त नमी हो। |
| मिर्च       | फसल में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।                                                                                                                                                                                                                           |
| सेम की फली  | फसल में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।                                                                                                                                                                                                                           |

### पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|---------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| भैंस    | जानवर के ब्याने के समय उन पर लगातार नज़र रखनी चाहिए और ब्याने के बाद उन्हें अच्छी तरह साफ़ करना चाहिए। गर्भाशय की सफ़ाई के लिए तीन दिनों तक सुबह-शाम 'यूट्रोटेन' (Utrotane), 'हरीरा' (Harira) या 'जिनेटोन' (Ginetone) में से किसी भी एक दवा की 200 मिलीलीटर मात्रा देनी चाहिए। बारिश के मौसम में पशुशाला की नियमित रूप से 2-3 बार सफ़ाई करनी चाहिए। |
| गाय     | जानवर के ब्याने के समय उन पर लगातार नज़र रखनी चाहिए और ब्याने के बाद उन्हें अच्छी तरह साफ़ करना चाहिए। गर्भाशय की सफ़ाई के लिए तीन दिनों तक सुबह-शाम 'यूट्रोटेन' (Utrotane), 'हरीरा' (Harira) या 'जिनेटोन' (Ginetone) में से किसी भी एक दवा की 200 मिलीलीटर मात्रा देनी चाहिए। बारिश के मौसम में पशुशाला की नियमित रूप से 2-3 बार सफ़ाई करनी चाहिए। |

### मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

जल-जमाव, नियमित खेती और रोज़मर्रा के कामों में रुकावट, दुर्घटनाओं की आशंका और जान का ख़तरा।

### प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए और खराब मौसम में बाहर जाने से बचना चाहिए। पशुओं को शेड में रखें।

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: [https://play.google.com/store/apps/details](https://play.google.com/store/apps/details/)

Damini MobileApp link : [https://play.google.com/store/apps/details](https://play.google.com/store/apps/details/)